महाराष्ट्र हिंदी परिषद की पत्रिका

सार्थक उपलब्धि

E-mail : maharashtrahindiparishad@gmail.com Website : http://maharashtrahindiparishad.org

संपादक : **प्रो. डॉ. जिजाबराव पाटील**
अध्यक्ष, महाराष्ट्र हिंदी परिषद,
अध्यक्ष, हिंदी विभाग, श्री शेठ मुरलीधरजी मानसिंगका साहित्य, विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय, पाचोरा

वर्ष : 26
अंक : 28

कार्यकारी संपादक : **डॉ. गजानन चव्हाण**
प्रधान सचिव, महाराष्ट्र हिंदी परिषद,
अध्यक्ष, हिंदी विभाग, श्रीमती गंगाबाई खिवराज घोडावत कन्या महाविद्यालय, जयसिंगपुर

महाराष्ट्र हिंदी परिषद का 30 वाँ अधिवेशन एवं द्वि-दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

लोकनेते डॉ. बालासाहेब विखे पाटील (पद्मभूषण उपाधि से सम्मानित) प्रवरा ग्रामीण शिक्षण संस्था कला, वाणिज्य एवं विज्ञान महाविद्यालय, सात्रल, तहसील. राहुरी, जि. अहमदनगर (महाराष्ट्र)

(दि. 12 एवं 13 जनवरी, 2024)

प्रसन्नता की बात है कि महाराष्ट्र हिंदी परिषद का 30 वाँ अधिवेशन एवं द्वि-दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी ''हिंदी साहित्य की सामाजिक एवं लोकतांत्रिक भूमिका : नये संदर्भ'' इस विषय पर दि. **12 एवं 13 जनवरी, 2024** को महाराष्ट्र हिंदी परिषद एवं सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे संलग्न लोकनेते डॉ. बालासाहेब विखे पाटील (पद्मभूषण उपाधि से सम्मानित) प्रवरा ग्रामीण शिक्षण संस्था के कला, वाणिज्य एवं विज्ञान महाविद्यालय, सात्रल, के संयुक्त तत्त्वावधान में संपन्न होने जा रही है।

पद्मश्री डॉ. विठ्ठलराव विखे पाटील जी ने 1950 में एशिया की पहली सहकारी चीनी फैक्ट्री स्थापित कर देश को संगठित प्रयासों के परिणाम से अवगत कराया। साथ ही सन 1964 में राष्ट्र निर्माण, एकीकृत ग्रामीण विकास और महिला सशक्तिकरण के व्यापक उद्देश्य से लोकनेते डॉ. बालासाहेब विखे पाटील प्रवरा ग्रामीण शिक्षण संस्था (पद्मभूषण उपाधि से सम्मानित) की स्थापना की और 27 छात्र और मुठ्ठीभर अध्यापकों के साथ प्रवरा पब्लिक स्कूल शुरू किया। पौधे के रूप में संस्था की हुई शुरूआत ने वर्तमान में वटवृक्ष का रूप धारण किया है। वर्तमान में लोणी, नाशिक तथा अहमदनगर जिले में 102 स्कूलों एवं महाविद्यालयों में लगभग 42000 छात्र अध्ययनरत तथा 3000 अध्यापक कार्यरत है। जहाँ पूर्व प्राथमिक से लेकर उच्च शिक्षा पीएच.डी. तक की सुविधा उपलब्ध हुई है। इसी सिलसिले में ग्रामीण छात्रों की आवश्यकता एवं सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेजों में उपलब्ध सीटों को केंद्र में रखकर पूर्व केन्द्रीय मंत्री स्वर्गीय पद्मभूषण डॉ. बालासाहेब विखे पाटील जी ने महाराष्ट्र के पहले निजी डिप्लोमा इंजीनियरिंग कॉलेज की स्थापना की थी। संस्था के अध्यक्ष तथा महाराष्ट्र के राजस्व, पशुपालन व दुग्ध व्यवसाय विकास मंत्री मा. ना. श्री. राधाकृष्ण विखे पाटील जी ने सहकार एवं समाज विकास को ही अपना लक्ष्य मानते हुए पद्मश्री डॉ. विठ्ठलराव विखे पाटील जी की वैचारिक विरासत एवं पद्मभूषण डॉ. बालासाहेब विखे पाटील के सामाजिक एवं शैक्षिक संस्कारों का व्यापक धरातल पर निर्वाह कर संस्था के बहुआयामी विकास का दायित्व बखूबी निभाया है। विचारणीय है कि जिला परिषद की पूर्व अध्यक्षा सौ. शालिनीताई विखे पाटील जी एवं छात्र प्रिय युवा नेतृत्व लोकसभा सांसद डॉ. सुजय विखे पाटील जी के समय एवं समाज सापेक्षी मार्गदर्शन ने संस्था को विशिष्ट ऊंचाई तक ले जाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा की है इसमें संदेह नहीं है। संस्था छात्रों के शैक्षिक, सामाजिक विकास के लिए प्रतिबद्ध है। संस्था की सामाजिक, शैक्षिक, सांस्कृतिक एवं औद्योगिक प्रतिबद्धता का ही परिणाम है महामहिम राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम जी ने कहा था – 'Beautiful Minds, Creative Minds & Nobel Minds of Loni'

संस्था की दूरदर्शी एवं व्यापक प्रतिबद्धता के कारण संस्था को कई राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है। संस्था के गौरवशाली इतिहास में संस्था के पूर्व छात्रों का महनीय योगदान रहा है।

कला, वाणिज्य एवं विज्ञान महाविद्यालय, सात्रल –

12.5 एकड़ क्षेत्र में स्थित ग्रामीण परिवेश का यह वह महाविद्यालय है, जिस महाविद्यालय को सहकार महर्षि स्व. विठ्ठलराव विखे पाटील जी के वैचारिक संस्कार को जीवन में अविभाज्य मानते हुए पूर्व केन्द्रीय मंत्री स्व. पद्मभूषण डॉ. बालासाहेब विखे पाटील जी की दूरदर्शिता ने संस्था एवं सम्पूर्ण प्रवरा परिवार को वटवृक्ष में परिवर्तित किया है। इसी दूरदर्शिता का ही परिणाम है कि ग्रामीण परिवेश की लड़कियों के लिए शिक्षा सहज उपलब्ध होने की दृष्टि से सन् 1998 में कला, वाणिज्य एवं विज्ञान महाविद्यालय, सात्रल की स्थापना हुई। 3 विभाग और 5 अध्यापकों के साथ महाविद्यालय की शुरूआत हुई थी। वर्तमान में महाविद्यालय में 13 विभाग एवं 41 अध्यापक कार्यरत हैं। साथ ही वाणिज्य संकाय स्नातकोत्तर विभाग के साथ रसायन विज्ञान विभाग का अनुसंधान केंद्र भी शुरू हुआ है। महाविद्यालय ने यू.जी.सी. डी.एस.टी.-फिस्ट तथा विश्वविद्यालय की कई परियोजनाएं पूरी की है। साथ ही महाविद्यालय ने विविध राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय संस्थाओं के साथ समझौता ज्ञापन किया है। संस्था के अध्यक्ष तथा महाराष्ट्र के राजस्व, पशुपालन व दुग्ध व्यवसाय विकास मंत्री मा. ना. श्री. राधाकृष्ण विखे पाटील जी के पारदर्शी एवं दूरदर्शी नेतृत्व में महाविद्यालय का बहुआयामी विकास हो रहा है। महाविद्यालय की उपलब्धियों के कारण ही सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे ने ग्रामीण परिवेश के उत्कृष्ट महाविद्यालय के रूप में सम्मानित किया है। साथ ही नैक बेंगलोर से पूनर्मूल्यांकन में 2.87 सी.जी.पी.ए. के साथ B++ श्रेणी प्राप्त हुई है। उल्लेखनीय है कि इसी वर्ष महाविद्यालय का रजत जयंती वर्ष मनाया जा रहा है।

हिंदी विभाग –

महाविद्यालय की स्थापना के साथ ही हिंदी विभाग शुरू हुआ। विभाग में उच्च विद्याविभूषित अध्यापक कार्यरत है जो सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे के पीएच.डी. शोधनिर्देशक के रूप में छात्रों का मार्गदर्शन कर रहे हैं। अब तक विभाग ने पाँच राज्य, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों का सफल आयोजन किया है। विभाग के पूर्व छात्र विभिन्न महाविद्यालयों में प्राध्यापक, स्कूलों में अध्यापक तथा विविध आस्थापनाओं में कार्यरत है। विविध गतिविधियों के माध्यम से विभाग का हिंदी के प्रचार-प्रसार में महनीय योगदान रहा है।

पर्यटन स्थल –

1. सात्रल से तीर्थक्षेत्र शिर्डी 30 कि.मी. दूरी पर है। जहाँ साईं समाधि स्थल है।
2. सात्रल से तीर्थक्षेत्र शनि शिंगनापुर 40 कि.मी. दूरी पर है। जहाँ शनिदेव का मंदीर है।
3. सात्रल से भंडारदरा डैम (अंग्रेज कालीन) 94 कि.मी. दूरी पर है।
4. सात्रल से नाशिक तथा वनी (सप्तश्रृंगी) तीर्थक्षेत्र 136 कि.मी.
5. सात्रल से नेवासा (जहाँ संत ज्ञानेश्वर ने ज्ञानेश्वरी ग्रंथ का लेखन किया) तथा देवगड (श्री. दत्त) तीर्थक्षेत्र 81 कि.मी.

मार्ग – अहमदनगर – मनमाड राज्य महामार्ग क्र. 10 स्थित कोल्हार से सात्रल 10 कि.मी., राहुरी से 25 कि.मी. तथा गुहा से 14 कि.मी.

शिर्डी – कोल्हार से सात्रल 35 कि.मी.

पुणे – नाशिक महामार्ग पर स्थित संगमनेर से लोणी होकर सात्रल पहुँच सकते हैं।

● अपने सहयोगी हिंदी प्राध्यापकों को आजीव सदस्य बनने के लिए प्रोत्साहित करें । ●

गेवराई में संपन्न महाराष्ट्र हिंदी परिषद के 29 वें अधिवेशन का कार्यवृत्त

महाराष्ट्र हिंदी परिषद का 29 वाँ अधिवेशन **'आजादी के 75 वर्ष का हिंदी साहित्य'** इस विषय पर आधारित द्वि-दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी मराठवाड़ा शिक्षण प्रसारक मंडल संचलित, र. भ. अट्टल कला, विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय, गेवराई में दि. 27 एवं 28 जनवरी, 2023 को उत्साह के साथ संपन्न हुई ।

दि. 27 जनवरी को सुबह 10.30 बजे प्रो. सत्यदेव त्रिपाठी, प्रो. गरिमा श्रीवास्तव, डॉ. मधुकर खराटे जी के कर कलमों द्वारा अधिवेश का उद्घाटन हुआ । उद्घाटन समारंभ में डॉ. चंद्रदेव कवडे, डॉ. पांडुरंग पाटील, डॉ. माधव सोनटक्के, डॉ. जिजाबराव पाटील, डॉ. गजानन चव्हाण तथा महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. रजनी शिखरे आदि मान्यवर उपस्थित थे । प्रास्ताविक महाविद्यालय की प्राचार्य एवं संयोजक प्रो. रजनी शिखरे जी ने किया । महाराष्ट्र हिंदी परिषद के अध्यक्ष डॉ. जिजाबराव पाटील जी ने परिषद का संक्षिप्त परिचय प्रस्तुत किया । परिषद का विशेषांक 'सार्थक उपलब्धि' का विमोचन मान्यवरों के कर-कमलों द्वारा किया गया । डॉ. माधव सोनटक्के जी को परिषद की ओर से 'सारस्वत सम्मान' से सम्मानित किया गया । साथ ही उत्कृष्ट शोधालेख के लिए डॉ. विजय शिंदे (औरंगाबाद) जी को सम्मानित किया गया । उद्घाटन सत्र का सूत्र संचालन प्रा. संतोष नागरे ने तो धन्यवाद ज्ञापन डॉ. गजानन चव्हाण ने किया ।

भोजनावकाश के पश्चात् दोपहर 2.30 बजे 'आजादी के 75 वर्ष का हिंदी कथा साहित्य' इस विषय पर प्रथम सत्र प्रो. दत्तात्रय मुरूमकर जी की अध्यक्षता तथा विषय प्रवर्तक डॉ. सुरेश शेळके जी की उपस्थिति में संपन्न हुआ । इस सत्र में पाँच शोधालेख पढ़े गए और उस पर विस्तृत चर्चा हुई ।

द्वितीय सत्र 'आजादी के 75 वर्ष का हिंदी काव्य' इस विषय पर आधारित था । जिसका प्रभावी विषय प्रवर्तन प्रो. पंढरीनाथ पाटील 'शिवांश' जी ने किया तथा सत्र की अध्यक्षता डॉ. मिथिलेश अवस्थी जी ने की । इस सत्र में चार शोधालेख प्रस्तुत किये गये और उस पर विस्तृत चर्चा हुई ।

दि. 28 जनवरी 2023 को सुबह 9.00 बजे तृतीय एवं चतुर्थ सत्र 'आजादी के 75 वर्ष का हिंदी नाट्य साहित्य' तथा 'आजादी के 75 वर्ष का अन्यान्य विधाओं का हिंदी साहित्य' इस विषय पर संयुक्त रूप से आयोजित किया गया । इस संयुक्त सत्र की अध्यक्षता प्रो. सुधाकर शेंडगे जी ने की तो विषय प्रवर्तक के रूप में डॉ. अनिल काळे जी थे । इस संयुक्त सत्र में सात शोधालेख प्रस्तुत हुए और उस पर विस्तृत चर्चा हुई ।

सुबह 11.00 बजे महाराष्ट्र हिंदी परिषद के अध्यक्ष डॉ. जिजाबराव पाटील जी की अध्यक्षता में खुला अधिवेशन हुआ । डॉ. गजानन चव्हाण जी ने गत सभा का इतिवृत्त, आय-व्यय तथा बजट प्रस्तुत कर सभा का अनुमोदन प्राप्त किया । इस खुले अधिवेशन में अनेक प्रस्तावों पर चर्चा हुई और इन प्रस्तावों को पारित किया गया ।

अधिवेशन का समापन दोपहर 1.00 बजे डॉ. चंद्रदेव कवडे जी की अध्यक्षता तथा डॉ. पांडुरंग पाटील, डॉ. मधुकर खराटे, डॉ. बाबासाहेब कोकाटे, डॉ. देविदास बामणे, डॉ. सुरेश शेळके तथा महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. रजनी शिखरे आदि की उपस्थिति में संपन्न हुआ । इस अवसर पर डॉ. एम. डी. इंगोले जी द्वारा लिखित पुस्तकों का विमोचन मान्यवरों के कर - कमलों द्वारा किया गया । महाराष्ट्र हिंदी परिषद के सन्माननीय पदाधिकारियों को डॉ. सुरेश शेळके तथा डॉ. देविदास बामणे जी को मिले पुरस्कारों के लिए मान्यवरों के हाथों से सम्मानित किया गया ।

महाराष्ट्र के विभिन्न विश्वविद्यालयों के हिंदी अध्ययन मंडल के सदस्य के रूप में चयनित होने पर डॉ. बाबासाहेब कोकाटे, डॉ. महेंद्र रघुवंशी तथा डॉ. ओमप्रकाश झंवर आदि को सम्मानित किया गया । इस अधिवेशन में महाराष्ट्र के विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों के प्राध्यापकों, संशोधक छात्रों ने सक्रिय रूप से उपस्थित रहकर इसे सफल बनाया । समापन समारोह के कार्यक्रम का सूत्र-संचालन प्रा. संतोष नागरे ने तथा आभार प्रदर्शन डॉ. अमोल पालकर ने किया ।

-० अधिवेशन हेतु पंजीकरण शुल्क ०-

पंजीकरण शुल्क रु. 1500/- निर्धारित किया गया है । (रु.1200/- संयोजक एवं रु.300/- परिषद सहयोग राशि), छात्र रु. 500/-

निवेदन हैं कि...

महाराष्ट्र हिंदी परिषद के सभी आजीवन सदस्यों से निवेदन है कि वे अपना ई-मेल और भ्रमणध्वनि क्रमांक तुरंत परिषद के ई-मेल पर प्रेषित करे ताकि संपर्क बनाये रखने में सुविधा होगी ।

E-mail : maharashtrahindiparishad@gmail.com

परिषद की Website : http://maharashtrahindiparishad.org

महाराष्ट्र हिंदी परिषद के पुरस्कार एवं सम्मान

1. सारस्वत सम्मान -

महाराष्ट्र हिंदी परिषद के वार्षिक अधिवेशन में परिषद की ओर से सारस्वत सम्मान दिया जाता है । यह सम्मान हिंदी भाषा एवं साहित्य में उल्लेखनीय कार्य हेतु प्रदान किया जाता है । इस पुरस्कार का चयन मा. अध्यक्ष, महाराष्ट्र हिंदी परिषद एवं अधिवेशन के संयोजक की सम्मति से होता है । परिषद की ओर से सम्मानार्थी को रु. 5100/- की राशि और सम्मानपत्र प्रदान किया जाएगा ।

2. उत्कृष्ट शोधालेख पुरस्कार -

महाराष्ट्र हिंदी परिषद के वार्षिक अधिवेशन के अवसर पर 'सार्थक उपलब्धि' वार्षिकांक के लिए भेजे गए आलेखों में से 'उत्कृष्ट आलेख' का चयन कर परिषद की ओर से उसे पुरस्कृत किया जाता है । परिषद की ओर से उत्कृष्ट आलेख हेतु रु. 2100/- की राशि और सम्मानपत्र प्रदान किया जाएगा ।

डॉ. मधु खराटे सहयोग राशि -

महाराष्ट्र हिंदी परिषद के वार्षिक अधिवेशन (ऑफलाइन) की सफलता हेतु डॉ. मधु खराटे (पूर्व अध्यक्ष, महाराष्ट्र हिंदी परिषद) द्वारा अपनी माता जी स्व. पार्वतीदेवी शंकरराव खराटे की स्मृति में **प्रतिवर्ष सहयोग राशि रु. 25,000/-** संयोजक महाविद्यालय को प्रदान की जाती है । डॉ. मधुकर खराटे जी के परिवार की दानशूरता के प्रति परिषद आभार एवं कृतज्ञता प्रकट करती है ।

-० कार्याध्यक्ष ०-

प्रो. डॉ. प्रभाकर डोंगरे (प्राचार्य)

-० संयोजक ०-

डॉ. भाऊसाहेब नवले

भ्रमणध्वनि : 9922807085, 8788417569

-० सह संयोजक ०-

डॉ. अनंत केदारे

भ्रमणध्वनि : 9921772483, 7822947770

दूरभाष (कार्यालय) : 02447-262047

-: संगोष्ठी का विषय :-

''हिंदी साहित्य की सामाजिक एवं लोकतांत्रिक भूमिका : नये संदर्भ''

उपविषय –

1. हिंदी कथा-साहित्य की सामाजिक एवं लोकतांत्रिक भूमिका : नये संदर्भ
2. हिंदी काव्य की सामाजिक एवं लोकतांत्रिक भूमिका : नये संदर्भ
3. हिंदी नाट्य साहित्य की सामाजिक एवं लोकतांत्रिक भूमिका : नये संदर्भ
4. हिंदी साहित्य की अन्यान्य विधाओं की सामाजिक एवं लोकतांत्रिक भूमिका : नये संदर्भ

-० सभा सूचना ०-

परिषद के नियामक मंडल की सभा सात्रल में दि. 11 जनवरी 2024, गुरुवार को सायं. 6.00 बजे आयोजित की गयी है। नियामक मंडल के सभी सम्माननीय सदस्यों की उपस्थिति प्रार्थनीय है।

महत्त्वपूर्ण सूचनाएँ

- आप स्वयं तथा अपने साथियों को भी अधिवेशन में सम्मिलित कीजिए।
- हिंदी के अधिक से अधिक प्राध्यापकों को परिषद का आजीवन सदस्य बनने हेतु प्रेरित करें।
- पुरस्कार स्वरूप परिषद के पास एकमुश्त ठोस धनराशि भेजकर परिषद को समृद्ध बनाइए।
- अधिवेशन तथा संगोष्ठी में सम्मिलित होकर सक्रिय योगदान दीजिए।

-: आलेख भेजने हेतु सूचना :-

इस वर्ष शोधालेख Peer - Reviewed and Refereed International Research Journal 'अक्षरा' अंतर विद्याशाखीय पत्रिका (AMRJ) में प्रकाशित किये जायेंगे। जिसका Impact Factor - 5.675 है। शोधालेख भेजने के संदर्भ में कुछ महत्त्वपूर्ण सूचनाएँ इस प्रकार हैं –

1. शोधालेख 1500 से 2000 शब्दों में हो।
2. शोधालेख में संदर्भ अनिवार्य हैं।
3. शोधालेख यूनिकोड मंगल फॉंट / कृतिदेव-10 में हो, जिस का फॉंट साईज 14 होना चाहिए। किसी और फॉंट में प्रेषित शोधालेख स्वीकार्य नहीं होंगे।
4. शोधालेख की Soft Copy Word File तथा PDF File परिषद के संयोजक डॉ. भाऊसाहेब नवले के ई-मेल mhpacscs@gmail.com पर भेज दीजिए।
5. शोधालेख के साथ रु. 1500/- पंजीकरण शुल्क RTGS / NEFT / ANY APP द्वारा निम्न खाते में जमा करे –
   A/c Name - Arts, Commerce and Science College, Satral
   A/c No. 20135515178 IFSC - MAHB0001608
   Branch - Babhleshwar (1608), Opp. Ghogre Petrol Pump, Tal-Rahata, Dist-Ahmednagar
6. ऑनलाईन पंजीकरण राशि भुगतान के बाद स्क्रीन शॉट संयोजक डॉ. भाऊसाहेब नवले (9922807085) के व्हॉट्सएप पर अवश्य भेज दे। अन्यथा शोधालेख प्रकाशित नहीं किया जाएगा।
7. यदि छात्र अपना शोधालेख प्रकाशित करना चाहते हैं तो रु. **500/–** पंजीकरण शुल्क के साथ रु. **500/–** की राशि अतिरिक्त भेज दें।
8. शोधालेख में अपने नाम के साथ Whatsapp मोबाईल नंबर तथा ई-मेल आयडी का उल्लेख अवश्य करें।
9. शोधालेख भेजने की अंतिम तिथि 15 दिसंबर 2023 होगी। इसके बाद कोई भी शोधालेख स्वीकार नहीं किया जाएगा।
10. पंजीकरण शुल्क अदा किये बिना कोई भी शोधालेख प्रकाशित नहीं किया जाएगा। अतः पंजीकरण शुल्क अदा करने के उपरांत उसकी भुगतान रसीद संयोजक को प्रेषित करने का कष्ट करें।
11. जो प्रतिभागी आलेख भेजेंगे उन्हें ही पत्रिका का अंक दिया जाएगा।

-: अधिवेशन की स्थूल रुपरेखा :-

शुक्रवार दि. 12 जनवरी, 2024

प्रातः	:	08.30 से 10.00	पंजीकरण तथा जलपान
		10.00 से 12.30	उद्घाटन
दोपहर	:	12.30 से 02.00	बीजभाषण
		02.00 से 03.00	भोजन
		03.00 से 04.30	प्रथम सत्र
		04.30 से 05.30	द्वितीय सत्र
सायं.	:	06.30 से 07.30	भोजन
		07.30 से 10.00	सांस्कृतिक समारोह

शनिवार दि. 13 जनवरी, 2024

प्रातः	:	07.30 से 08.30	जलपान
		09.00 से 11.00	तृतीय एवं चतुर्थ सत्र (समांतर)
		11.00 से 12.00	खुला अधिवेशन
दोपहर	:	12.00 से 01.00	समापन समारोह (सम्मान / लोकार्पण / पुरस्कार)
		01.00 से 02.00	भोजन

महाराष्ट्र हिंदी परिषद की कार्यकारिणी

❖ अध्यक्ष

प्रो. डॉ. जिजाबराव पाटील
हिंदी विभागाध्यक्ष, श्री शेठ मुरलीधरजी मानसिंगका साहित्य, विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय, पाचोरा, जि. जलगाँव,
भ्रमणध्वनि – 8275588961

❖ उपाध्यक्ष

◆ **प्रो. डॉ. बाबासाहेब कोकाटे**
हिंदी विभागाध्यक्ष, बलभीम महाविद्यालय, बीड
भ्रमणध्वनि – 9545154555

◆ **प्रो. डॉ. अरुण घोगरे**
पूर्व हिंदी विभागाध्यक्ष, बी. एस. पाटील महाविद्यालय, परतवाड़ा, भ्रमणध्वनि – 9422858299

◆ **प्रो. डॉ. अनिल काळे**
हिंदी विभागाध्यक्ष, कला, वाणिज्य एवं विज्ञान महाविद्यालय,नारायणगांव, जि. पुणे,
भ्रमणध्वनि – 9860706853

❖ प्रधान सचिव

डॉ. गजानन चव्हाण
हिंदी विभागाध्यक्ष, श्रीमती गंगाबाई खिवराज घोडावत कन्या महाविद्यालय, जयसिंगपुर
भ्रमणध्वनि – 9890277316

❖ कोषाध्यक्ष

प्रो. डॉ. अनिल साळुंखे
हिंदी विभागाध्यक्ष, यशवंतराव चव्हाण महाविद्यालय, करमाला, जि. सोलापुर
भ्रमणध्वनि – 9421023304

❖ संयुक्त सचिव

◆ **डॉ. सुरेश शेळके**
हिंदी विभागाध्यक्ष, कला, वाणिज्य एवं विज्ञान महाविद्यालय, औंढा नागनाथ, जि. हिंगोली
भ्रमणध्वनि – 9422875276

◆ **डॉ. देविदास बामणे**
हिंदी विभागाध्यक्ष, भाऊसाहेब नेने महाविद्यालय, पेण (रायगड) भ्रमणध्वनि – 9623863270

❖ विश्वविद्यालय के सहसचिव

प्रो. डॉ. महेंद्र रघुवंशी, जलगाँव
डॉ. बाबासाहेब माने, पुणे
प्रो. डॉ. प्रमोद पाटील, औरंगाबाद
प्रो. डॉ. संजय नरवाडे, नांदेड
डॉ. सुमेध नागदेवे, नागपुर
प्रो. डॉ. सुनिल बनसोडे, कोल्हापुर
डॉ. दादासाहेब खांडेकर, सोलापुर
प्रो. डॉ. बालकवि सुरंजे, मुंबई
डॉ. संगिता जगताप, अमरावती
प्रो. डॉ. सुरेश कानडे, मुंबई
प्रो. डॉ. शैलेंद्रकुमार शुक्ल, गडचिरोली

❖ पदेन मनोनीत सदस्य

डॉ. वसंत केशव मीरे, कोल्हापुर
प्रो. डॉ. चंद्रदेव कवडे, औरंगाबाद
प्रो. डॉ. पांडुरंग पाटील, कोल्हापुर
डॉ. मधुकर खराटे, भुसावल
डॉ. राजेंद्र रोटे, कोल्हापुर
डॉ. विठ्ठलसिंह ठाकरे, लासलगाँव

❖ मनोनीत सदस्य

प्रो. डॉ. सुधाकर शेंडगे, औरंगाबाद
प्रो. डॉ. दत्तात्रय मुरुमकर, मुंबई
प्रो. डॉ. अमोल पालकर, बीड
प्रो. डॉ. गोविंद बुरसे, औरंगाबाद

❖ प्रकाशक एवं कार्यकारी संपादक :
डॉ. गजानन चव्हाण
प्रधान सचिव, महाराष्ट्र हिंदी परिषद द्वारा
ग्रेशिया अपार्टमेंट, A विंग, F1, पाटील वाडा
होटेल के पीछे, पुणे बायपास,
सांगली – 416 416
भ्रमणध्वनि – 9890277316

❖ संपादक :
प्रो. डॉ. जिजाबराव पाटील
अध्यक्ष, महाराष्ट्र हिंदी परिषद,
अध्यक्ष, हिंदी विभाग, श्री शेठ मुरलीधरजी मानसिंगका साहित्य, विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय, पाचोरा, जि. जलगाँव,
भ्रमणध्वनि – 8275588961

संगोष्ठी स्थल पहुँचने के लिए

लोणी से सात्रल 10 कि.मी. कोल्हार से सात्रल 10 कि.मी.